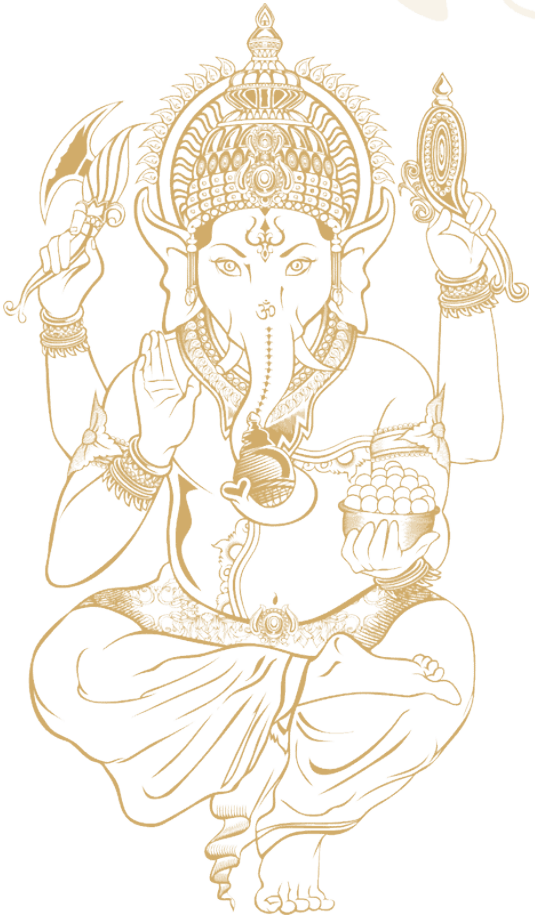

Geetanjali Kohli

03 Oct 1987

06:58 PM

Hoshiarpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121120803

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**03/10/1987**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**18:58:00 घंटे**
इष्ट	31:33:18 घटी
स्थान	**Hoshiarpur**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:30:00 उत्तर
रेखांश	75:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:31:56 घंटे
वेलान्तर	00:10:44 घंटे
साम्पातिक काल	19:18:49 घंटे
सूर्योदय	06:20:40 घंटे
सूर्यास्त	18:09:29 घंटे
दिनमान	11:48:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	16:07:08 कन्या
लग्न के अंश	04:51:13 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	धृति
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गी-गीता
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	04:51:13	498:03:35	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	---
सूर्य			कन्या	16:07:08	00:59:03	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	सम राशि
चंद्र			मक	27:44:41	14:29:36	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	02:56:48	00:38:28	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
बुध			तुला	11:38:40	01:00:45	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	02:58:06	00:07:26	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	27:13:14	01:14:41	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	नीच राशि
शनि			वृश्चि	22:27:14	00:04:07	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
राहु			मीन	08:41:36	00:00:47	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
केतु			कन्या	08:41:36	00:00:47	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	29:27:51	00:01:36	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप			धनु	11:37:00	00:00:32	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो			तुला	15:01:52	00:02:11	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
दशम भाव			धनु	24:30:09	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:09

लग्न-चलित

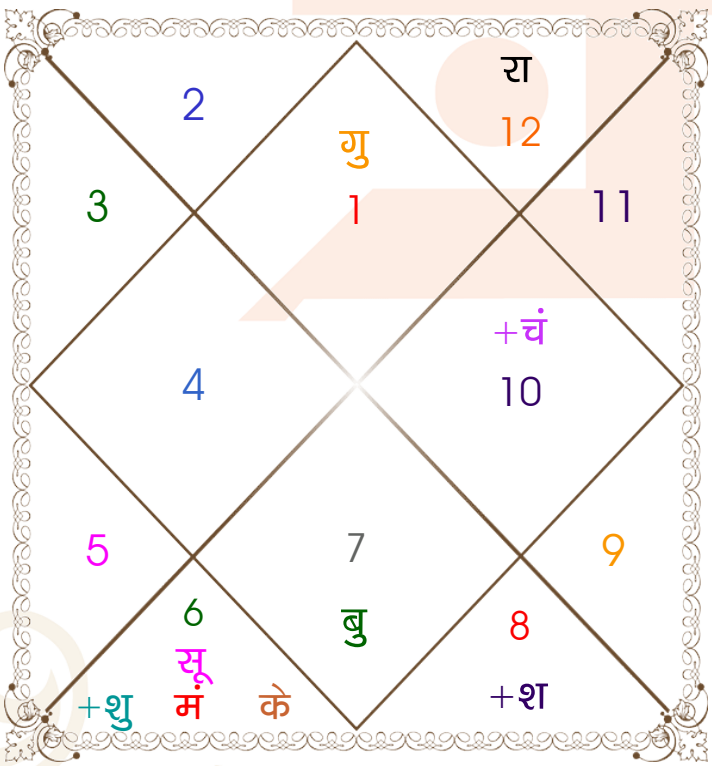

चन्द्र कुंडली

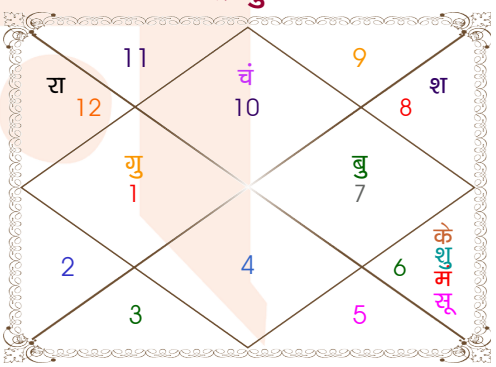

नवमांश कुंडली

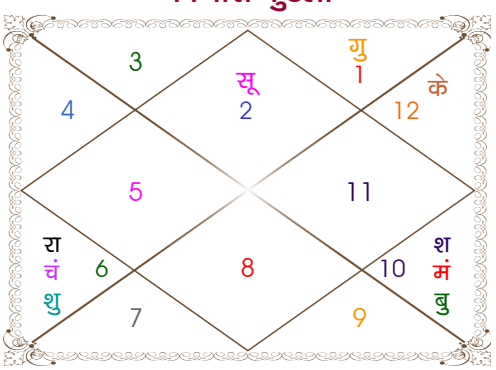

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 8 मास 6 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
03/10/1987		09/06/1992		10/06/2010		10/06/2026		09/06/2045	
09/06/1992		10/06/2010		10/06/2026		09/06/2045		10/06/2062	
	00/00/0000	राहु	20/02/1995	गुरु	28/07/2012	शनि	12/06/2029	बुध	06/11/2047
	03/10/1987	गुरु	16/07/1997	शनि	08/02/2015	बुध	21/02/2032	केतु	02/11/2048
गुरु	31/10/1987	शनि	22/05/2000	बुध	16/05/2017	केतु	31/03/2033	शुक्र	03/09/2051
शनि	09/12/1988	बुध	09/12/2002	केतु	22/04/2018	शुक्र	31/05/2036	सूर्य	10/07/2052
बुध	06/12/1989	केतु	28/12/2003	शुक्र	21/12/2020	सूर्य	13/05/2037	चंद्र	09/12/2053
केतु	04/05/1990	शुक्र	28/12/2006	सूर्य	09/10/2021	चंद्र	12/12/2038	मंगल	06/12/2054
शुक्र	04/07/1991	सूर्य	21/11/2007	चंद्र	08/02/2023	मंगल	21/01/2040	राहु	25/06/2057
सूर्य	09/11/1991	चंद्र	22/05/2009	मंगल	15/01/2024	राहु	27/11/2042	गुरु	01/10/2059
चंद्र	09/06/1992	मंगल	10/06/2010	राहु	10/06/2026	गुरु	09/06/2045	शनि	10/06/2062

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
10/06/2062		09/06/2069		09/06/2089		10/06/2095		10/06/2105	
09/06/2069		09/06/2089		10/06/2095		10/06/2105		00/00/0000	
केतु	06/11/2062	शुक्र	09/10/2072	सूर्य	27/09/2089	चंद्र	09/04/2096	मंगल	07/11/2105
शुक्र	06/01/2064	सूर्य	09/10/2073	चंद्र	29/03/2090	मंगल	08/11/2096	राहु	25/11/2106
सूर्य	13/05/2064	चंद्र	10/06/2075	मंगल	03/08/2090	राहु	10/05/2098	गुरु	04/10/2107
चंद्र	12/12/2064	मंगल	09/08/2076	राहु	28/06/2091	गुरु	09/09/2099		00/00/0000
मंगल	10/05/2065	राहु	10/08/2079	गुरु	15/04/2092	शनि	11/04/2101		00/00/0000
राहु	28/05/2066	गुरु	10/04/2082	शनि	28/03/2093	बुध	10/09/2102		00/00/0000
गुरु	04/05/2067	शनि	09/06/2085	बुध	02/02/2094	केतु	11/04/2103		00/00/0000
शनि	12/06/2068	बुध	09/04/2088	केतु	10/06/2094	शुक्र	10/12/2104		00/00/0000
बुध	09/06/2069	केतु	09/06/2089	शुक्र	10/06/2095	सूर्य	10/06/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 8 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं बृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाली, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाली और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाली लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति की प्राणी है।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करती हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति को विचार को स्वीकार नहीं करती हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करती हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाली हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानती हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करती।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करती तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देती हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाती है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करती हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चात्ताप का श्रेय दूसरो पर देती तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देती हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी प्राणी हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाती हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहती हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप ईमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेती हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देती है तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करती हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेती हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। यद्यपि आपके पति आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करते है। ऐसा संभाव्य है कि आप अपने पति की विशेषताओं पर अमल करने लगे।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगी। यह दृष्टिगोचर हो रहा है कि यदि आप पूर्ण सर्तकता से वाहन नही चलाए या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना की शिकार हो सकती हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आपने अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किया तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग की अथवा पक्षाघात की शिकार हो सकती हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करती रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहारी भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगी अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगी तो आपके संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगी तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगी और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन की बचत नियमित करें जो आपकी संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।